

संज्ञित अन्वय इत्यादि जाकर पता चला है कि  
3-7-16 को ऐसा है।

2-6-16 फतावली राजास्य लोक अदालत अन्वय  
2016 के दौरान केम्प कोर्ट ग्राहक पुष्पासत  
दुम्ब्यासत-मुन्दनपुर पर पेश हुई। उक्त  
उक्त अन्वयकन करते पर पाया गया कि  
उक्त में वादीगण की ओर से पूर्व नियुक्त  
अन्वयक के स्थान पर अन्य अन्वयक  
नियुक्त करना अवगत कराते हुए वादी  
संख्या 5, 8, 27 की तरफ से दिनांक  
10.8.15 को श्री राजकुल अन्वयक अन्वयक  
का अन्वयकनामा पेश हुआ तथा शेष  
वादीगण की ओर से अन्वयकनामा लम्बे  
अन्वयक के बाद प्रादिनांक तक पेश  
नहीं हुआ। उक्त में वादीगण की  
ओर से नियत पेशी पर न तो स्वयं  
उपस्थित होते हैं (एक \* न ही उनकी  
ओर से अन्वयक उपस्थित होते हैं)  
आतः उक्त फतावली सत्य हाजरी व  
अन्वयक पेशी में अन्वयक की जाकर  
वादी संख्या 5, 8, 27 को ध्यान से वाद  
उक्त करते स्वतन्त्र होने पाकर  
किता जाकर फतावली अन्वयक अन्वयक  
कर हाजिरा दर्ज की जाती है।

तब